चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि भूमि | 5-11-23 | 13 | 2-7 |

## हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

# सफल होने के लिए अपने अंदर ज्ञान, कौशल व आत्मविश्वास का होना जरूरी: प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदू ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुई। मुख्यातिथि ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व शिक्षाविदें व छात्राओं की अधिक संख्या देखकर खुशी जताई। साथ ही विश्वविद्यालय को विशेष पहचान दिलाने में उनके अथक प्रयास की सराहना कर सभी का आभार जताया।

हिसार। गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट-ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर कार्यक्रम मे मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज सहित उपस्थित पूर्व छात्राएं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने अपने अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है।

### अधिष्ठाता ने 50 वर्ष की गतिविधियां और उपलब्धियों को रखा

इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने सभी का स्वागत कर महाविद्यालय के पिछली 50 वर्ष की गतिविधियां, उपलब्धियां, कार्यों, रैंकिंग, कोर्सों सहित विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की पूर्व छात्राएं देश-विदेशों की प्रतिष्ठित कंपनियों व अन्य संस्थाओं में बेहतरीन कार्य कर अपना, परिवार और हकृवि का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने 1971 से 2023 तक महाविद्यालय में हो रहे शैक्षणिक कार्यों, खेल, सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पूर्व शिक्षाविदें व पूर्व विद्यार्थियों को याद कर महाविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेने की अपील की।

### करियर संवारने के दिए टिप्स

महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर ने उपस्थित छात्राओं से अपने अनुभव शेयर कर सामुदायिक कोर्सों में अपना करियर संवारने के टिप्स दिए। उपरोक्त महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. प्रवीन पूनिया व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश गांधी ने अपने यादगार पलों को याद कर अपने अनुभव शेयर किए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए डॉ. कृष्णा खाम्बरा, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. सुदर्शन महता, डॉ. के.एल गुलाटी, डॉ. पी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.के. पूनिया इत्यादि को सम्मानित किया। इससे जबकि डॉ. लाली यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 5-11-23 | 04 | 1-4 |

# पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की ब्रैंड वैल्यू: प्रो. काम्बोज

कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ पूर्व छात्राएं।

## ■ हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

हिसार, 4 नवम्बर (ब्यूरो): पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगिण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होंगी, जिससे कि हम अपने देश, प्रदेश व समाज की अहम कड़ी बनकर उसकी उन्नति में अहम भूमिका अदा कर पाएंगे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटैरेक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित रहे थे।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदू ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुई।

मुख्यातिथि प्रो. काम्बोज ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व शिक्षाविदों व छात्राओं की अधिक संख्या देखकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने उद्देश्यों का सही तरीके से बोध हो जाए और उसकी पूर्ति के लिए हमें सही पथ पर चलाने वाला शिक्षक रूपी अच्छा मार्गदर्शक मिल जाए तो निश्चित रूप में हमें सफलता मिलने से कोई नहीं रोक सकता।

मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने अपने अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है।

कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक और उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें। अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने सभी का स्वागत कर महाविद्यालय के पिछली 50 वर्ष की गतिविधियां, उपलब्धियां, कार्यों, रैंकिंग, कोर्सों सहित विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया।

महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर ने उपस्थित छात्राओं से अपने अनुभव शेयर कर सामुदायिक कोर्सों में अपना करियर संवारने के टिप्स दिए। पूर्व अधिष्ठाता डॉ. प्रवीन पूनिया व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश गांधी ने अपने यादगार पलों को याद कर अपने अनुभव शेयर किए।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए डॉ. कृष्णा खाम्बरा, डॉ. एम.पी. गुप्ता, डॉ. सुदर्शन महता, डॉ. के.एल गुलाटी, डॉ. पी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.के. पूनिया इत्यादि को सम्मानित, जबकि डॉ. लाली यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 5-11-23 | 04 | 1-5 |


# सखियों की 50 साल पहले की सुनहरी यादें ताजा

## एचएयू के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं के गोल्डन जुबली समारोह में खूब जमा रंग

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। सालों बाद एचएयू में फिर से एक साथ मिलकर जो खुशी महसूस हो रही है वो इतने सालों की भागदौड़ भरी जिंदगी में लगातार काम करके और पैसा कमा के भी नहीं हुई। आज दोस्तों संग बिताए पल एक बार फिर से 50 साल पुरानी याद दिला रहे हैं। पढ़ाई के दौरान कितनी मौज-मस्ती करते थे वो दौर अचानक आंखों के सामने छा गया और आंखें खुशी से नम हो गईं। समा था एचएयू में 1973-74 बैच की छात्राओं के लिए आयोजित गोल्डन जुबली मीट का।

कार्यक्रम में चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कांबोज ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की ब्रांड वैल्यू उसके विद्यार्थी होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट-ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित रहे थे।

एचएयू मे गोल्डन जुबली कार्यक्रम में पहुंचीं पूर्व छात्राएं। संवाद

कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं। इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने सभी का स्वागत कर महाविद्यालय के पिछली 50 वर्ष की गतिविधियां, उपलब्धियां, कार्यों, रैंकिंग, कोर्सों सहित विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया।

महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर ने उपस्थित छात्राओं से अपने अनुभव शेयर कर सामुदायिक कोर्सों में अपना कॅरिअर संवारने के टिप्स दिए। उपरोक्त महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. प्रवीन पूनिया व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश गांधी ने अपने अनुभव शेयर किए। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए डॉ. कृष्णा खाम्बरा, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. सुदर्शन महता, डॉ. केएल गुलाटी, डॉ. पीएल गुप्ता, डॉ. आरके पूनिया इत्यादि को सम्मानित किया।

**कोई लौटा दे वो प्यारे-प्यारे दिन...**

गोल्डन जुबली कार्यक्रम में पुराने दिनों को याद कर अपने आप को ठहाके लगाने से रोक नहीं पाईं पूर्व छात्राएं। संवाद

*"कई सालों बाद पुराने दोस्तों से मिलकर अच्छा लग रहा है। हमारे बैच के समय कोई कम्युनिकेशन सोर्स नहीं था। सभी से मिलकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। विद्यार्थियों के पास कॅरिअर संवारने का सही समय है।"* -- शकुंतला सेठी

*"पुराने शिक्षकों से मिलकर अच्छा लगा। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और आज भी उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है। इसके साथ ही पुराने शिक्षकों ने होम साइंस में इम्प्रूवमेंट के लिए भी सुझाव दिए।"* -डॉ. सरोज यादव

*"आज सभी दोस्तों से मिलीं तो मानो 50 साल पहले वाली एनर्जी शरीर में आ गई हो। आज ऐसा लग रहा है जैसे मैं वही 16-17 साल की लड़की हूं जो 1973-74 के दौरान विवि में पढ़ती थी। होम साइंस में स्कोप अच्छे है।"* - डॉ. निशी सेठी

*"1973 के प्रथम बैच की छात्रा रही हूं मैंने तीन साल के प्रोग्राम कोर्स में दाखिला लिया था, इसके बाद एमएससी फूड एंड न्यूट्रेशन की थी। आज यहां अपनी दोस्तों के साथ मिलकर सुख का अनुभव हो रहा है। ये पल हमेशा यादगार रहेंगे।"* -डॉ. नीलम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 5-11-23 | 04 | 6-8 |

# पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान के लिए अनमोल

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान के लिए अनमोल हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। वह विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरेक्टिव मीट-ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बोल रहे थे। महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डा. इंदू ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डा. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं।

हकृवि में आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट - ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित उपस्थित पूर्व छात्राएं। • जागरण

**यादगार पलों को किया याद :** इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. मंजु महता ने पिछले 50 वर्ष की गतिविधियां, उपलब्धियां, कार्यों, रैंकिंग, कोर्सों सहित विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने 1971 से 2023 तक महाविद्यालय में हो रहे शैक्षणिक कार्यों, खेल, सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पूर्व शिक्षाविद व पूर्व विद्यार्थियों को याद कर महाविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को उससे प्रेरणा लेने की अपील की। महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डा. इंदु ग्रोवर ने अपने अनुभव सांझा किए। पूर्व अधिष्ठाता डा. प्रवीन पूनिया व पूर्व विभागाध्यक्ष डा. सुदेश गांधी ने अपने यादगार पलों को याद किया। इस दौरान पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर डा. कृष्णा खाम्बरा, डा. एमपी गुप्ता, डा. सुदर्शन, डा. केएल गुलाटी, डा. पीएल गुप्ता, डा. आरके पूनिया आदि को सम्मानित किया। इससे जबकि डा. लाली यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच संचालन डा. ज्योति सिहाग ने किया।

| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय |
|---|

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 5-11-23 | 02 | 3-4 |

# पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की ब्रैंड वेल्यू : प्रो. काम्बोज

हकृवि में आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में मुख्यातिथि सहित उपस्थित पूर्व छात्राएं।

भास्कर न्यूज | हिसार

पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वेल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगिण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होगी। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विवि के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित रहे थे। कार्यक्रम में 1973-74 की पूर्व छात्राएं शामिल हुई। ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 5-11-23 | 05 | 1-4 |

# पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की ब्रैंड वैल्यू : प्रो. काम्बोज

## हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

हिसार, 4 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगिण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होंगी, जिससे कि हम अपने देश, प्रदेश व समाज की अहम कड़ी बनकर उसकी उन्नति में अहम भूमिका अदा कर पाएंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित रहे थे। कायक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदू ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व शिक्षाविदें व छात्राओं की अधिक संख्या देखकर खुशी जताई। साथ ही विश्वविद्यालय को विशेष पहचान दिलाने में उनके अथक प्रयास की सराहना कर सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने उद्देश्यों का सही तरीकें से बोध हो जाए और उसकी पूर्ति के लिए हमें सही पथ पर चलाने वाला शिक्षक रूपी अच्छा मार्गदर्शक मिल जाए तो निश्चित रूप में हमें सफलता मिलने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने अपने अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने सभी का स्वागत कर महाविद्यालय के पिछली 50 वर्ष की गतिविधियां, उपलब्धियां, कार्यों, रैंकिंग, कोर्सों सहित विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की पूर्व छात्राएं देश-विदेशों की प्रतिष्ठित कंपनियों व अन्य संस्थानों में बेहतरीन कार्य कर अपना, परिवार और हकृवि का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने 1971 से 2023 तक महाविद्यालय में हो रहे शैक्षणिक कार्यों, खेल, सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पूर्व शिक्षविदें व पूर्व विद्यार्थियों को याद कर महाविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर ने उपस्थित छात्राओं से अपने अनुभव शेयर कर सामुदायिक कोर्सों में अपना कैरियर संवारने के टिप्स दिए। उपरोक्त महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. प्रवीन पूनिया व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश गांधी ने अपने यादगार पलों को याद कर अपने अनुभव शेयर किए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने एक पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए डॉ. कृष्णा खाम्बरा, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. सुदर्शन महता, डॉ. के.एल गुलाटी, डॉ. पी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.के. पूनिया इत्यादि को सम्मानित किया। इससे जबकि डॉ. लाली यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया।

हकृवि में आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित उपस्थित पूर्व छात्राएं।

## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
| --- | --- | --- | --- |
| सच कहूँ | 5-11-23 | 08 | 1-3 |

# पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की ब्रैंड वैल्यू : काम्बोज

- हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

हिसार (सच कहूँ/मांगे लाल)। पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगीण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होंगी, जिससे कि हम अपने देश, प्रदेश व समाज की अहम् कड़ी बनकर उसकी उन्नति में अहम् भूमिका अदा कर पाएंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंति के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट-ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित रहे थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदू ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने उद्देश्यों का सही तरीके से बोध हो जाए और उसकी पूर्ति के लिए हमें सही पथ पर चलाने वाला शिक्षक रूपी अच्छा मार्गदर्शक मिल जाए तो निश्चित रूप में हमें सफलता मिलने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए डॉ. कृष्णा खाम्बरा, डॉ. एमपी गुप्ता, डॉ. सुदर्शन महता, डॉ. के.एल गुलाटी, डॉ. पी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.के. पुनिया इत्यादि को सम्मानित किया। इससे जबकि डॉ. लाली यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 5-11-23 | 04 | 1-5 |

# 50 साल बाद मिटी दूरियां, पुरानी यादें हुई ताजा

जागरण संवाददाता, हिसार : 50 साल पहले जिस कालेज में एक साथ बैठकर बातें होती थीं उस जगह पर शनिवार को फिर से पुराने दोस्तों ने अपनी यादें ताजा कीं। आज वह पूर्व छात्राएं भारत में ही नहीं अमेरिका तक अपना व्यवसाय चला रही हैं।

'गोल्डन जुबली इंटरेक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर कार्यक्रम में दूसरे देश से भी पूर्व छात्रा अपने दोस्तों से मिलने के लिए पहुंचीं।

होम साइंस कालेज मौजूदा समय में इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती पर पूर्व छात्राओं ने कहा कि कभी यह कालेज एक बिल्डिंग में चलता था। आज खूबसूरत भवन के साथ तकनीक से आगे बढ़ रहा है।

1977 में पहले बैच से पास आउट हुए। ड्रेस एंड इंटीरियर में कोर्स करने के बाद पायलट का कोर्स किया। उसी दौरान शादी हुई तो पति के व्यापार में सहयोग किया। फिर से पति से बात कर नट-बोल्ट की अपनी फैक्ट्री शुरू की। उसको वर्षों तक चलाया। बच्चे अब सैटल हैं। वह विशेष रूप से हैदराबाद से अपने पुराने दोस्तों से मिलने के लिए आई हैं। -**मनोज**, हैदराबाद

पुराने दोस्तों से मिलने के लिए अमेरिका से आई हूं। सोनीपत में शादी होने के बाद वह यूएसए चली गई थीं। वहां होटल, ड्राइक्लीन, रेस्टोरेंट का बिजनेस कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला काव्य मंच भी चला रही हैं। अपने कालेज में 50 साल बाद आकर अलग ही अहसास हुआ है।

-**डा. कमला सिंह**, कैलीफोर्निया, यूएसए

होम साइंस कालेज से निकलने के बाद दो साल तक बच्चों को पढ़ाया। उसी दौरान शादी हो गई। ससुराल में पति का प्रिंटिंग का व्यापार था। 1990 में ही कंप्यूटराइज्ड काम करना शुरू कर दिया। कालेज से निकलने के बाद पहली बार वापस आई। आज वही यादें ताजा हो गई जब वह अपने दोस्तों के साथ बैठी रहती थीं। -**लता मित्तल**, गाजियाबाद

## कब के बिछड़े हुए हम आज कहां आ के मिले...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृहविज्ञान महाविद्यालय के 1973 बैच के पूर्व छात्र मिलन समारोह में पहुंची पूर्व छात्राएं डा परविंदर शर्मा, शम्मा शर्मा व लता मित्तल गले मिलकर खुशी का इजहार करती हुई। • गुलशन बजाज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक ट्रिब्यून | 5-11-23 | 05 | 1-2 |

## 'पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की ब्रैंड वैल्यू'

**हिसार (ब्यूरो) :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हैलो हिसार | 05.11.2023 | -- | -- |

## हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

**डी.डी. मॉडल स्कूल में खेलकूद व योग प्रतियोगिता का आयोजन**

हिसार. डी.डी. मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नजदीक रेलवे स्टेशन में खेलकूद व योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक कमलदीप भुटानी, विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका गीता भुटानी, प्रधानाचार्य अंजू व अभिभावक मौजूद रहे। खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। कमलदीप भुटानी ने गुब्बारे छोड़कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मार्च पास्ट में काजल, मुस्कान, रवि परिणिका व पवन ने अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व किया। सभी विद्यार्थियों ने शपथ ली कि हम खेल को खेल की भावना से खेलेंगे।

**हिसार :** पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, विनम्रता जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगीण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होंगी, जिससे कि हम अपने देश, प्रदेश व समाज की अहम कड़ी बनकर उसकी उन्नति में अहम भूमिका अदा कर पाएंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरैक्टिव मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सविता सहगल व मंजू मेहता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों व छात्राओं को अधिक संख्या देखकर खुशी जताई। साथ ही विश्वविद्यालय की विशेष पहचान दिलाने में उनके अथक प्रयास की सराहना कर सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने उद्देश्यों का सही तरीके से बोध हो जाए और उसकी पूर्ति के लिए हमें सही पथ पर चलाने वाला शिक्षक अथवा मार्गदर्शक मिल जाए तो निश्चित रूप में हमें सफलता मिलने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने अपने अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाए तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए, बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान

> **हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली**

महाविद्यालय में पढ़ा रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इनसे हमारी ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। मुख्यातिथि ने आधुनिक युग में महिलाओं की हर क्षेत्र में बढ़ती भागीदारी को नारी सशक्तिकरण की अहम मिसाल बताया कि वे आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उनको संवारने का प्रयास करें। साथ ही उन्हें सकारात्मक सोच के साथ खुद को अपडेट रखने और विद्यार्थियों को सही पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देने की अपील की। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| समस्त हरियाणा न्यूज | 04.11.2023 | -- | -- |

## हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रांड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिज्ञासा जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगिण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होंगी, जिससे कि हम अपने देश, प्रदेश व समाज की अहम कड़ी बनकर उसकी उन्नति में अहम भूमिका अदा कर पाएंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य पर आयोजित 'गोल्डन जुबली इंटरेक्शन मीट- ब्रिजिंग पास्ट एंड फ्यूचर' कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर व पूर्व प्रोफेसर डॉ. सलिल सहगल व मंजु गुप्ता सहित 1973-74 बैच की पूर्व छात्राएं शामिल हुईं। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व शिक्षाविदें व छात्राओं की अधिक संख्या देखकर खुशी जताई। साथ ही विश्वविद्यालय को विशेष पहचान दिलाने में उनके अथक प्रयास की सराहना कर सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अगर हमें अपने उद्देश्यों का सही तरीके से बोध हो जाए और उसकी पूर्ति के लिए हमें सही पथ पर चलाने वाला शिक्षक रूपी अच्छा मार्गदर्शक मिल जाए तो निश्चित रूप में हमें सफलता मिलने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यातिथि ने महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रही छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि समय रहते उन्होंने अपने अंदर ज्ञान, कौशल, अनुशासन गुणों का विकास व समाज के हित के लिए कदम नहीं उठाएं तो भविष्य में काफी चुनौतियों से लड़ना पड़ सकता है। इसलिए बदलते समय के साथ अपने अंदर परिवर्तन लाना आवश्यक है। उन्होंने इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में पढ़ा रहे सभी कोर्सों को अहम बताते हुए कहा कि इससे हमारे ज्ञानवर्धन के साथ सामाजिक कार्यों को बढ़ावा मिलने में भी मदद मिलेगी। मुख्यातिथि ने आधुनिक युग में महिलाओं की हर क्षेत्र में बढ़ती भागीदारी को नारी सशक्तिकरण की अहम मिसाल बताया कि वे आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे कक्षा में हर विद्यार्थी की प्रतिभा की पहचान कर उसको संवारने का प्रयास करें। साथ ही उन्हें सकारात्मक सोच के साथ खुद को अपडेट रहने और विद्यार्थियों को सही पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देने की अपील की। कुलपति ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने करियर को संवारने के लिए पहले कुछ सीखने की ललक और उस कार्य को पूरा करने की निरंतरता जारी रखें। साथ ही पाठ्यक्रमों से संबंधित शिक्षकों से संवाद जरूर करें। इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत कर महाविद्यालय के पिछले 50 वर्ष की गतिविधियां, उपलब्धियां, कार्यों, रैंकिंग, कोर्सों सहित विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की पूर्व छात्राएं देश-विदेशों की प्रतिष्ठित कंपनियों व अन्य संस्थानों में बेहतरीन कार्य कर अपना, परिवार और हकृवि का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने 1973 से 2023 तक महाविद्यालय में हो रहे शैक्षणिक कार्यों, खेल, सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पूर्व शिक्षाविदें व पूर्व विद्यार्थियों को याद कर महाविद्यालय में पढ़ रही छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. इंदु ग्रोवर ने उपस्थित छात्राओं से अपने अनुभव शेयर कर सामुदायिक कोर्सों में अपना करियर संवारने के टिप्स दिए। उपरोक्त महाविद्यालय की पूर्व अधिष्ठाता डॉ. प्रवीण पूनिया व पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुदेश गांधी ने अपने यादगार पलों को याद कर अपने अनुभव शेयर किए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने एक पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने के लिए डॉ. कृष्णा खाम्बरा, डॉ. एसपी गुप्ता, डॉ. सुदर्शन मेहता, डॉ के.एल गुलाटी, डॉ पी.एल. गुप्ता, डॉ. आर.के. पूनिया इत्यादि को सम्मानित किया। इसके उपरांत डॉ. लाली यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स | 04.11.2023 | -- | -- |

# पूर्व विद्यार्थी किसी भी संस्थान की ब्रैंड वैल्यू : प्रो. काम्बोज

## हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के प्रथम बैच की पूर्व छात्राओं ने मनाई गोल्डन जुबली

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। पूर्व विद्यार्थी हर शिक्षण संस्थान की ब्रैंड वैल्यू होते हैं। कोई भी क्षेत्र हो, यदि हमें सफल होना है तो अपने अंदर ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास, अनुशासन, विनम्रता जैसे गुणों को धारण करने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों से भी सीधे तौर पर जुड़ना होगा। इससे फायदा यह होगा कि हमारा सर्वांगीण विकास होने से रोजगार की संभावनाएं अधिक होंगी, जिससे कि हम अपने देश, प्रदेश व समाज की अहम कड़ी बनकर उसकी उन्नति में अहम भूमिका अदा कर पाएंगे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। [illegible]

[illegible]

1971 से 2023 तक महाविद्यालय [illegible]

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
| --- | --- | --- | --- |
| पाठकपक्ष न्यूज | 04.11.2023 | -- | -- |


# हकृवि में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं बलेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आरंभ

**कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिकों, शिक्षकों व विद्यार्थियों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों व प्रौद्योगिकियों से जुड़ने के लिए किया जाएगा मार्गदर्शन**

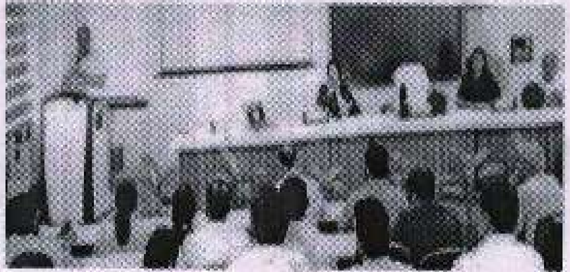

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 4 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में उपस्थित वैज्ञानिकों को डिजिटलाइजेशन के माध्यम से नई तकनीकों, संसाधनों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय के साथ हमें भी अपने अंदर परिवर्तन लाना चाहिए। उन्होंने ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषय को आज के समय की मांग बताते हुए कहा कि शिक्षकों को ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर इसे अपने कार्यों में इस्तेमाल में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन व ऑफलाइन सिस्टम के बीच सामंजस्य कर इजाद की गई तकनीक विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि पढ़ाई या फिर शोध विषयों में होने वाली मीटिंग या फिर कलासरूम में कई बार विद्यार्थी व शिक्षाविद् प्रत्यक्ष रूप से शामिल न होकर डिजिटलाइजेशन माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपना काम निरंतर रूप से जारी रख सकते हैं। इस दौरान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान (आईएएसआरआई) में कम्प्यूटर एप्लिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप मारवाहा ने नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म विषयों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म जूम, गूगल मीट, वेब एक्स का एडवांस वर्जन है, जिसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थी, शिक्षाविद् अपने विषयों से संबंधित मीटिंग में भाग ले सकते हैं। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शशि दहिया ने भी नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च एंड एजुकेशन सिस्टम एवं ब्लेनडिड लर्निंग प्लेटफार्म की गतिविधियों, रूपरेखा सहित कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान समय में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों व विश्वविद्यालयों में चल रहे उपरोक्त प्रोजेक्टों की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता ने सभी का स्वागत किया, जबकि सहायक वैज्ञानिक डॉ. अभिलाषा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर नई दिल्ली के (आईसीएआर)-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान से आर विशोर त्यागी, रजनी, आदर्श कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक भी शामिल रहे।

| | |
|---|---|
| | **चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय** |

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 6-11-23 | 02 | 01 |

### बाग में पौधों को ठंड से बचाएं

# नियमित अंतराल पर करें सिंचाई

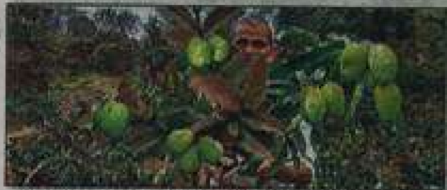

बाग में आम-अमरूद के पौधों को दिखाता किसान। संवाद

हिसार। पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ ही मैदानी इलाकों में इस महीने ठंड बढ़ेगी, जिससे पौधों की पत्तियां झड़ जाती हैं। नए पौधों की जड़ें कमजोर होती हैं। इसलिए किसान अगस्त-सितंबर में बागों में लगाए आम, अमरूद समेत अन्य नए पौधों को ठंड व पाले से बचाने के लिए पहले से उपाय कर लें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सलाह के मुताबिक ठंड या पाले से बचाव के लिए छोटे पौधों के ऊपर बाजरे या सरकंडे की झोंपड़ी बनाएं। पूर्व-दक्षिण दिशा में इसको खुला रखें ताकि पौधे को सूर्य की पूरी रोशनी मिल सके। पाले से बचाने के लिए बागों में नमी के लिए नियमित अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए। साथ ही घास-फूस से धुआं करना चाहिए। हालांकि अंगूर, आड़ू, अनार, आलूबुखारा के पौधों को पाले से बचाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। ब्यूरो

## बेर में फल लगने के बाद सिंचाई फायदेमंद

इस माह के अंत में बेर में फल लग जाने के बाद सिंचाई फायदेमंद रहेगी। इसके साथ-साथ आधी बची हुई यूरिया खाद

625 ग्राम प्रति पेड़ डालें। खाद पौधे के मुख्य तने से 3-4 फुट दूर डालनी चाहिए। 15-20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। खाद मिट्टी की जांच के आधार पर डालनी चाहिए। इस माह में 1.5% यूरिया व 0.5% जिंक सल्फेट का छिड़काव करने से न केवल वानस्पतिक वृद्धि होती है बल्कि फल, फूल भी कम गिरते हैं और आंतरिक गुणों में सुधार होता है।

## ▪ बेर को मक्खी के प्रकोप से ऐसे बचाएं

बेर की फसल को मक्खी के प्रकोप से बचाने हेतु इस माह के शुरू में 500 मि.ली. रोगोर 30 ई.सी. को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ बाग के पेड़ों पर छिड़कें। मध्य दिसंबर में इन्हीं दवाइयों के छिड़काव को दोहराएं। सफेद चूर्णी रोग या पाउडरी मिल्ड्यू रोग, जिसके आक्रमण से फलों पर सफेद चूर्ण या पाउडर-सा छा जाता है, से बचाव के लिए घुलनशील गंधक (सल्फेक्स) 500 ग्राम प्रति 250 लीटर पानी में या केराथेन के घोल (200 मिलीलीटर दवाई 200 लीटर पानी में) छिड़कें। पहला छिड़काव फूल निकलने से पहले तथा दूसरा उस समय करें जब फल मटर के दाने के बराबर हों।

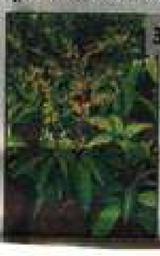

## आम के बाग में निराई-गुड़ाई करें

बागों में लगे आम में मिलीबग के अंडों को खत्म करने के लिए जमीन की निराई-गुड़ाई करें, ताकि सूर्य की रोशनी से ये खत्म हो जाएं या जानवरों द्वारा खा लिए जाएं। 15-20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।